FOR BLIS STUDENTS

Course : - Bachelor of Library and Information Science (BLIS)

Paper : - Paper-II

Prepared By: - Aftab Ahmad, Assistant Librarian, Faculty Library Science

School of Library and Information Sciences, Nalanda Open University

Topic: - Library Budget

CONTENTS

1. Meaning and Definition
2. Characteristics
3. Library Budget and Financial Plan
4. Library Budget and Financial Plan : Advantages
5. Library Budget and Financial Plan : Disadvantages

Scanned with CamScanner

12.7 बजटः अर्थ एवं परिभाषा (Budget : Meaning and Definition) :

'बजट' (Budget) शब्द फ्रेंच भाषा के शब्द 'बूजट' (Bougette) से बना है, इसका अर्थ है 'चमड़े का थैला' या 'झोला'। सन् 1733 में बिट्रिश वित्त मन्त्री सर रावर्ट बालपोल ने अपने वित्तीय प्रस्तावों से सम्बन्धित कागज संसद के सामने पेश करने के लिए एक चमड़े के थैले में से निकाला तो उनका मजाक उड़ाते हुए 'बजट खोला गया' (The Budget Opened) नामक एक

Scanned with CamScanner

पुस्तिका प्रकाशित की गयीं उसी समय से बजट शब्द का प्रयोग सरकार की वार्षिक आय–व्यय के विवरण से किया जाने लगा है। 'बजट' (Budget) अगले वर्ष में होने वाली आय तथा व्यय का अनुमानित लेखा होता है। पुस्तकालय के परिप्रेक्ष्य में बजट वह परिपत्र है जिसमें पुस्तकालय आय–व्यय के पूर्वानुमान होते है। यह पुस्तकालय के स्तर सेवा के स्तर तथा पुस्तकालय की प्रगति की तरफ इशारा करता है। संक्षेप में हम कह सकते है कि बजट में भावी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु साधनों की घोषणाएँ होती है और विशेष लाभ योजना को क्रियान्वित करने हेतु दी गयी धनराशि का भी विवरण होता है। विल्सन एवं टाबर के शब्दों में " बजट (आय–व्यय) एक निश्चित समय के लिए किसी संस्था के अनुमानित आय तथा व्यय का वित्तीय लेखा है।" (Budget is the financial statement of estimate of revenues and expenditure of an institution for a definite period of time).

लेनाय ब्यूलियो (Leonoy Beaulien) के अनुसार "बजट एक निश्चित अवधि के अन्तर्गत होने वाली अनुमानित प्राप्तियों तथा खर्चों का एक विवरण है।" (A budget is a statement of the estimated receipts and expenses during a fixed period).

रीन स्टोर्म (Rene Stourm) के मतानुसार " बजट एक लेख पत्र है जिसमे सरकारी आय और व्यय की एक प्रारम्भिक अनुमोदित योजना रहती है"। (A document containing a preliminary approved plan of public revenues and expenditure).

जी० गीज (G. Geze) के शब्दों में "बजट सम्पूर्ण सरकारी प्राप्तियों तथा खर्चो का एक पूर्वानुमान तथा अनुमान है और कुछ प्राप्तियों का संग्रह करने तथा कुछ खर्चों को करने का एक आदेश है।" (budget is a forecast and a estimate of all public receipt and expenses and for certain expenses and receipts and authorization to incur them and to collect them).

12.9 पुस्तकालय बजट : विशेषताएं (Library Budgets: Characteristics) :

पुस्तकालय का बजट बनाते समय कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना पड़ता है जिन्हें बजट की विशेषताएँ कहते है यदि निम्न विशेषताओं को ध्यान में रखकर बजट बनाया जाये तो वह बजट न केवल उपयोगी बल्कि पुस्तकालय के लिए हितकर भी होगा।

1. बजट अधिकतम एक वर्ष के लिए बनाना चाहिए।
2. बजट पूर्णतया पिछले वर्ष की आय एवं व्यय को ध्यान में रखकर बनाना चाहिए।
3. इसमें आय–व्यय का सही विवरण तथा तथ्यों को प्रस्तुत करना चाहिए जिससे भविष्य में कोई विशेष आर्थिक संकट न पैदा हो।
4. बजट वार्षिक प्रतिवेदन के लिए अत्यन्त महत्व रखता है जिससे पुस्तकालय में किये गये कार्यो की आसानी से प्रगति देखी जा सकती है।
5. किसी संस्था अथवा पुस्तकालय का बजट उसके उद्देश्यों को ध्यान मे रखकर बनाना चाहिए तथा साथ ही आय–व्यय के उद्देश्यों पर भी ध्यान देना चाहिए।
6. बजट पुस्तकालय की नीतियों को प्रतिबिम्बित करने का एक प्रशासनिक प्रयास होता है।
7. पुस्तकालय क्रियाकलापों के संचालन के लिए आवश्यक धनराशि जुटाने तथा इसे खर्च करने का एक व्यवस्थित तरीका होता है।
8. बजट विभाजित होना चाहिए तथा विभागाकार की आय एवं व्यय का विवरण प्रस्तुत करना चाहिए क्योंकि इससे पुस्तकालयों के विभिन्न विभागों के कार्यो एवं सेवाओं का विश्लेषण बड़ी आसानी से किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

पुस्तकालय बजट और वित्तीय योजना: (Library Budget and Financial Plan) :

बजट तैयार करना एक योजनाबद्ध प्रक्रिया है जिसमे पुस्तकालय के व्यय और आय का विशेष समयावधि के लिए लेखाकरण किया जाता है। यह एक योजनाबद्ध प्रलेख एव एक वित्तीय विवरण है जो प्रस्तावित आय एवं एक निश्चित समयावधि (साधारणत: एक वर्ष) के लिये व्यय के उपयोग का विवरण प्रदान करता है। यह आय और व्यय पर निरीक्षण और नियन्त्रण करने का साधन है कि कितनी धनराशि प्राप्त होनी चाहिए तथा किस प्रकार व्यय की जानी चाहिए। बजट बनाने की प्रक्रिया को केवल धनराशि तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए इसको वित्तीय और गैर-वित्तीय दोनों खर्चों में अभिव्यक्ति किया जा सकता है। बजट बनाना किसी भी कार्य की समस्त योजनाओं को घनीभूत करने की प्रक्रिया है। बजट निर्माण हमें इस योग्य बनाता है कि या तो हम इच्छित परिणामों को प्राप्त करेंगे या जहाँ अच्छे परिणाम नहीं प्राप्त कर सकेंगे वहाँ तदनुसार समायोजन करेंगे। बजट किसी नियोजित कार्य की गणनात्मक अभिव्यक्ति, पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र के प्रबन्ध के लिए एक यन्त्र, प्रबन्धकीय कार्यों को उद्देश्य तक पहुँचाने के लिए मानचित्र रूपी एक मार्गदर्शिका, प्रगति के मापन की एक युक्ति, योजना के परिवर्तनों को मुख्य रूप से दर्शाने और कार्यों को पुन: सही मार्ग पर लाने के लिए शोधक क्रियाओं की आवश्यकताओं को व्यक्त करता है। दूसरे शब्दों में "बजट सुव्यवस्थिति एवं प्रगतिशील नियोजन, समन्वयन एवं कार्यान्वयन में सहायता करता है और वित्तीय नियन्त्रण तथा परिणामों के मूल्यांकन की युक्ति के रूप में कार्य करता है। बजट का मुख्य उद्देश्य पुस्तकालय मे वित्तीय योजना का निर्माण करना है। व्यय को आय से कम करने और नियोजित ढंग से व्यय करने का आश्वासन देकर बजट दोहरा कार्य करता है।

पुस्तकालय बजट एवं वित्तीय योजना: लाभ (Library Budget and Financial Plan: Advantage):

वित्तीय नियोजन और बजट बनाने के कुछ लाभ निम्नवत् है।

(i) बजट उद्देश्यों को और स्पष्ट करते है।

(ii) बजट उत्तरदायित्व (Responsibility) के निर्धारण में सहायता करते है।

(iii) बजट पुस्तकालय के ढाँचे की कमियों को व्यक्त करते है।

(iv) लक्ष्य एवं कार्य निष्पादन को गणनात्मक रूप से व्यक्त कर संसाधनों को अधिकतम रचनात्मक ढंग से उपयोगी बनाते है।

(v) यह सही समय पर कार्यवाही हेतु संकेत देते है और यदि किसी विचलन के कारण सुधार की आवश्यकता हो तो इंगित करते है।

पुस्तकालय बजट एवं वित्तीय योजना : हानि

बजट से जिस भाँति पुस्तकालय या किसी संस्था को लाभ मिलते उसी प्रकार यह समस्यायेभी उत्पन्न करती है। जो निम्नवत है

(i) यह सरलता से दृष्टिगोचर होने वाले घटकोंपर अत्यधिक बल देता है (उदाहरणार्थ परिसंचरण कार्य की सांख्यिकी)।

(ii) बजट के कार्यों को सुधारे बिना किसी को नित्यचर्या बनाने के लिए प्रलोभित कर सकता है।

(iii) पुस्तकालय सेवाये रूपये के सन्दर्भ में गणनीय नहीं होती ।

(iv) परिवर्तित परिस्थितियों की सन्तुष्टि के लिए निरन्तर अनुरूपता की आवश्यकता होती है।

(v) यह अपने आप कार्य नहीं करता, तथा

(vi) बजट और बजटीय नियन्त्रण का प्रयोग बुद्धिमत्ता पूर्वक किया जाना चाहिए।

Scanned with CamScanner

बजट एक संस्था के वर्ष भर के विभिन्न कार्यों और गतिविधियों का खर्च उठाने की निर्देशिका है। सामान्य सिद्वान्त यह है, कि अनुमानित व्यय आय से अधिक नहीं होनी चाहिए। दूसरे शब्दों में आय और व्यय के बीच परस्पर संतुलन होना चाहिए।

बजट को वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट समझ कर भ्रमित नहीं होना चाहिए वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट एक ऐसा आधिकारिक प्रलेख है जिससे यह ज्ञात होता है कि एक निश्चित वर्ष में क्या प्राप्त किया गया था । वास्तव में यह एक विशेष वर्ष में पुस्तकालय की वित्तीय परिस्थितियों का वास्तविक अभिलेख है। दूसरी तरफ बजट आगामी वर्ष का केवल एक अनुमान होता हैं। संक्षेप में कहा जा सकता है, कि बजट भविष्य की तैयारी है जबकि वित्तीय रिपोर्ट अतीत का विश्लेषण और मूल्यांकन है।

वास्तव में बजट नियन्त्रण, संप्रेषण, समन्वयन, मूल्यांकन और अभिप्रेरणा का अत्यन्त महत्वपूर्ण यन्त्र भी है। यह निश्चित वित्तीय नियमों और कार्य प्रणालियों के अनुसार व्यय को तदनुरूप दिशा देता है, नियन्त्रित करता है । बजट अनुमान पुस्तकालय की पूर्ण वित्तीय रूपरेखा तथा प्रमुख मद के व्यय के लिए निधि के आवंटन को कर्मचारियों तथा सम्बन्धित लोगों को संप्रेषित करता है तथा व्यय को नियमित करता है। यह न केवल मितव्ययिता के लिए प्रयास करता है अपितु वित्त की उपयोगिता में वृद्धि करता है। साधारण व्यय की विभिन्न इकाइयों के माध्यम से सहभागिता में सहयोग देता है तथा निर्धारित समय में निधि की उपयोगिता के आधार पर निष्पादन का मूल्यांकन करता है। सही कार्य करने के लिए कर्मचारियों को अभिप्रेरित करने का कार्य एवं इच्छित कार्यो के लिए वित्त प्रदान करके भविष्य के विकास को सुगम बनाने का कार्य भी यह करता है।

Scanned with CamScanner